हिन्दी पाठ्यक्रम-अ कोड संख्या (002)
कक्षा दसवीं हिन्दी 'अ'- संकलित परीक्षाओं हेतु पाठ्यक्रम विनिर्देशन 2016-2017

संकलित परीक्षा 1 (भार 30%) (अप्रैल-सितम्बर) तथा संकलित परीक्षा 2 (भार 30%) (अक्टूबर से मार्च) हेतु भार विभाजन					
		विषयवस्तु		**उप भार**	**कुल भार**
1	पठन कौशल गद्यांश व काव्यांश पर शीर्षक का चुनाव, विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर बहुविकल्पी प्रश्न				**20**
	(अ)	दो अपठित गद्यांश (100 से 150 शब्दों के) (1x10)		10	
	(ब)	दो अपठित काव्यांश (100 से 150 शब्दों के) (1x10)		10	
2	व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर प्रश्न (1x15)			**15**	**15**
3	पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग-1 व पूरकपाठ्यपुस्तक कृतिका भाग-1				**35**
	(अ)	**गद्य खण्ड**		**15**	
		1	क्षितिज से निर्धारित पाठों में से गद्यांश के आधार पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर प्रश्न। (2+2+1)	**05**	
		2	क्षितिज से निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर विद्यार्थियों की उच्च चिंतन व मनन क्षमताओं का आंकलन करने हेतु प्रश्न। (2x5)	10	
	(ब)	**काव्य खण्ड**		**15**	
		1	काव्यबोध व काव्य पर स्वयं की सोच की परख करने हेतु क्षितिज से निर्धारित कविताओं में से काव्यांश के आधार पर प्रश्न। (2+2+1)	05	
		2	क्षितिज से निर्धारित कविताओं के आधार पर विद्यार्थियों का काव्यबोध परखने हेतु प्रश्न। (2x5)	10	
	(स)	**पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग-1**		**05**	
		पूरक पुस्तिका 'कृतिका' के निर्धारित पाठों पर आधारित एक मूल्य परक प्रश्न पूछा जाएगा। इस प्रश्न का कुल भार पाँच अंक होगा। ये प्रश्न विद्यार्थियों के पाठ पर आधारित मूल्यों के प्रति उनकी संवेदनशीलता को परखने के लिए होगा। (5x1)			

4	**लेखन**			
	(अ)	विभिन्न विषयों और संदर्भों पर विद्यार्थियों के तर्कसंगत विचार प्रकट करने की क्षमता को परखने के लिए संकेत बिन्दुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए विषयों पर 200 से 250 शब्दों में किसी एक विषय पर निबंध। (10x1)	10	**20**
	(ब)	अभिव्यक्ति की क्षमता पर केन्द्रित औपचारिक अथवा अनौपचारिक विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र। (5x1)	05	
	(स)	दिए गए गद्यांश का 'सार लेखन'। (5x1)	05	
		कुल		**90**

संकलित परीक्षा 1	30%
संकलित परीक्षा 2	30%
फॉरमेटिव परीक्षा एफ.ए.–1(भार 10%), एफ.ए.-2 (भार 10%) एफ.ए.–3 (भार 10%), एफ.ए-–4(भार 10%)	40%
कुल भार	**100%**

(मूल्यपरक प्रश्न पूरकपाठ्यपुस्तक पर आधारित होगा। इसके लिए 5 अंक निर्धारित हैं।)

टिप्पणी:

1. **संकलित परीक्षाओं का कुल भार 60 प्रतिशत तथा रचनात्मक मूल्यांकन (फॉरमैटिव) परीक्षाओं का कुल भार 40 प्रतिशत होगा। रचनात्मक मूल्यांकन (फॉरमेटिव) परीक्षाओं के 40 प्रतिशत में से प्रत्येक सत्र में 5 प्रतिशत भाग (संपूर्ण वर्ष में 10 प्रतिशत) श्रवण व वाचन कौशलों के परीक्षण हेतु आरक्षित होगा। शेष 30 प्रतिशत रचनात्मक मूल्यांकन (फॉरमेटिव) मूल्यांकन, पाठ्यचर्या के अन्य अंगों जैसे पठन, लेखन, व्याकरण, पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक, पर आधारित होगा।** इसमें बोलने, सुनने, लिखने व बोध पर आधारित मौखिक, लिखित अथवा कार्यकलापों पर आधारित परीक्षण किया जा सकता है।

2. **संकलित परीक्षा एक (एस-1) 90 अंकों की होगी।** 90 अंकों को मूल्यांकन के पश्चात 30 अंकों में से परिवर्तित कर लिया जाएगा तदुपरांत ग्रेड का निर्धारण किया जाएगा तथा **संकलित परीक्षा दो (एस-2) 90 अंकों की होगी** व 90 अंकों को मूल्यांकन के पश्चात 30 अंकों में से परिवर्तित करने के उपरांत ग्रेड का निर्धारण किया जाएगा।